कलवरी पर यीशु मुआ 2

वहाँ जीवन का सोता बहा,

वहाँ जीवन का सोता निकला,

पापी प्‍यास तू अपनी बुझा ।

1. हे धर्मियों तुम भी पीयो,

हे पापियों तुम भी पियो,

वह सबके लिए है बहा ।

2. उसके पाँजर में भाला छेदा,

उसके हाथों में कीलें ठुकी,

उसने क्‍या क्‍या न दुःख सहा ।

3. उसके लहू से ले तू नहा,

साफ होंगे तेरे गुनाह,

वह सबके लिये है बहा ।

4. वह सूली पे है चढ़ गया,

कहा उसने जो कि पूरा हुआ,

द्वार मुक्‍ति का खोला गया ।